भारतीय वैश्विक परिषद्

# @ 2023

# द रोडमैप टू इंडियन प्रेसीडेंसी


## वी. श्रीनिवास

सचिव, प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग तथा पेंशन *एवं* पेंशनभोगी कल्याण विभाग, भारत सरकार


भारतीय वैश्विक परिषद्
सप्रू हाउस, नई दिल्ली
2022

© आईसीडब्ल्यूए 2022
अस्वीकरण: इस पत्र में विचार, विश्लेषण और सिफारिशें लेखक के हैं।

# विषय-वस्तु


| | |
|---|---|
| प्रस्तावना..... | 5 |
| जी20@2023 द रोडमैप टू इंडियन प्रेसीडेंसी..... | 7 |
| जी20 - एक संक्षिप्त इतिहास..... | 8 |
| रियाद समिट 2020..... | 10 |
| रोम समिट 2021..... | 12 |
| जी20 - बहुपक्षीय संस्थानों का सुधार..... | 15 |
| इंडोनेशियाई प्रेसीडेंसी..... | 17 |
| इंडियन प्रेसीडेंसी..... | 17 |
| जी-20 शिखर बैठकों में प्रधानमंत्री मोदी..... | 18 |
| निष्कर्ष..... | 24 |
| सन्दर्भ..... | 27 |
| लेखक के बारे में..... | 30 |
| | |

## प्रस्तावना

भारत 1 दिसंबर 2022 को जी20 की अध्यक्षता ग्रहण करेगा। 1997 के वैश्विक वित्तीय संकट के मद्देनजर 1999 में प्रणालीगत आर्थिक प्रभाव वाले देशों के एक नए समूह के रूप में गठित, जी20 पहली बार वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंकों के गवर्नरों के स्तर पर अंतरराष्ट्रीय वित्तीय स्थिरता प्राप्त करने के लिए नीतियों पर चर्चा करने के उद्देश्य से मिला था। इसके पश्चात बाद, 2008 के अंतरराष्ट्रीय वित्तीय और बैंकिंग संकट की छाया में प्रथम जी20 शिखर सम्मेलन आयोजित किया गया था। आज, समूह के एजेंडे में वित्तीय स्थिरता, कर्ज का बोझ, सतत विकास लक्ष्य, स्वास्थ्य संकट से लेकर खाद्य सुरक्षा तक कई मुद्दे शामिल हैं।

वैश्विक अर्थव्यवस्था अनिश्चितता तथा अस्थिरता का सामना कर रही है, दुनिया की प्रमुख विकसित और उभरती अर्थव्यवस्थाओं को जोड़ने वाले एक मंच के रूप में जी20 की भूमिका वैश्विक रुझानों को आकार देने में अधिक महत्व रखती है। आगामी जी20 अध्यक्षता भारत के लिए महत्वपूर्ण वैश्विक महत्व के मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने, विकास पर अपने नरेटिव को प्रस्तुत करने और सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में, जी20 एजेंडे पर अपनी मजबूत स्थिति दिखाने का एक महत्वपूर्ण अवसर है।

आईसीडब्लूए ने जी20@2023: द रोडमैप टू इंडियन प्रेसीडेंसी पर श्री वी. श्रीनिवास, सचिव, प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग, भारत सरकार ने श्री हर्षवर्धन श्रृंगला, जी20 के मुख्य समन्वयक, भारत सरकार और पूर्व विदेश सचिव की अध्यक्षता में 8 अगस्त 2022 को सप्रू हाउस में एक वार्ता का आयोजन किया गया, जिसमें वैश्विक शासन की एक प्रमुख संस्था के रूप में जी20, इसमें भारत की भूमिका तथा इंडियन प्रेसीडेंसी के लिए संभावनाओं पर ध्यान केंद्रित किया गया था। श्री वी. श्रीनिवास द्वारा पेश एवं प्रकाशित पत्र हाल के जी20 शिखर सम्मेलनों और प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में फोरम के साथ

भारत के एंगेजमेंट की मुख्य झलकियों को रेखांकित करता है। यह भारत की बहुपक्षीय कूटनीति में रुचि रखने वाले विद्वानों और प्रेक्टिसनर्स के लिए उपयोगी सिद्ध होगा।

राजदूत विजय ठाकुर सिंह
महानिदेशक
भारतीय वैश्विक परिषद्, सप्रू हाउस
सितंबर 2022

## प्रस्तावना

प्रधान मंत्री मोदी ने स्थायी विकास और वित्तीय स्थिरता को बढ़ावा देने के मूल उद्देश्य के साथ अधिक प्रभावी व्यवहारों को अपनाने के लिए जी20 का नेतृत्व किया है, साथ ही बहुपक्षीय संस्थानों में सुधार, जलवायु परिवर्तन, प्रौद्योगिकी संचालित आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई जैसी कई वैश्विक चुनौतियों को संबोधित भी किया है।

1 दिसंबर, 2022 से भारत जी20 की अध्यक्षता करेगा। बहुपक्षवाद और लोकतंत्र के लिए गहराई से प्रतिबद्ध राष्ट्र के लिए, जी20 की अध्यक्षता भारत के इतिहास में एक बहुत ही महत्वपूर्ण क्षण होगा। स्वतंत्रता के बाद से, भारत ने बहुपक्षीय संस्थानों के साथ काम किया है, और समकालीन वैश्विक शासन की चुनौतियों का मुकाबला करने में योगदान दिया है। बहुपक्षवाद पर जोर देने वाला भारत का समावेशी शासन मॉडल जी20 नेतृत्व के बेहतरीन वर्षों में से एक का वादा करता है जहां बहुपक्षवाद फल-फूल सकता है तथा जी20 अंतर्राष्ट्रीय वार्ताओं की प्रक्रियाओं को बदलते हुए वैश्वीकरण को न्यायपूर्ण, टिकाऊ बनाने में गंभीर योगदान दे सकता है।

2021 में इतालवी प्रेसीडेंसी ने **पीपुल, प्लेनेट एंड प्रोस्पेरिटी** पर ध्यान केंद्रित किया। 2022 में इंडोनेशियाई प्रेसीडेंसी ने **रिकवर टुगेदर, रिकवर स्ट्रॉगर** पर ध्यान केंद्रित किया।

प्रधान मंत्री मोदी ने आठ जी20 शिखर सम्मेलन की बैठकों में से प्रत्येक में औसतन 25 बैठकों में भाग लिया है। इनमें द्विपक्षीय बैठकें, पुल-असाइड एंगेजमेंट, आरआईसी, जेएआई और ब्रिक्स समूहों की बैठकें शामिल थीं। प्रधान मंत्री मोदी ने स्थायी विकास और वित्तीय स्थिरता को बढ़ावा देने के मूल उद्देश्य के साथ अधिक प्रभावी व्यवहारों को अपनाने के लिए जी20 की अगुआई की है, साथ ही बहुपक्षीय संस्थानों में सुधार, जलवायु परिवर्तन, प्रौद्योगिकी संचालित आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई जैसी कई वैश्विक चुनौतियों को संबोधित भी किया है।

यह पेपर जी20@2023 - द रोडमैप टू इंडियन प्रेसीडेंसी जी20 में भारत के योगदान और बहुपक्षवाद को मजबूत करने पर प्रकाश डालता है।

**जी20 - एक संक्षिप्त इतिहास**

**जी20 का उदय वैश्विक आर्थिक क्षितिज पर एक महत्वपूर्ण विकास का प्रतिनिधित्व करता है।** जी20 दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं का प्रमुख मंच है जो आज की सबसे अधिक दबाव वाली चुनौतियों का समाधान करने के लिए वैश्विक नीतियों को विकसित करना चाहता है। जी20 में 19 सदस्य देश और यूरोपीय संघ हैं जो वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद के 90 प्रतिशत और वैश्विक व्यापार के 80 प्रतिशत तथा वैश्विक आबादी के 2/3 का प्रतिनिधित्व करते हैं। जी20 का जन्म जी7 वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक के गवर्नरों की बैठक से हुआ था, जिन्होंने दुनिया की वित्तीय चुनौतियों का समाधान करने में व्यापक प्रतिनिधित्व के साथ अधिक समावेशी निकाय की आवश्यकता देखी।

**जी20 वित्तीय संकट से जूझने में सबसे आगे रहा है**- वैश्विक वित्तीय संकट 2008-09, 2010 में यूरोज़ोन संकट और 2020 में कोविड-19 महामारी संकट - जिनमें से प्रत्येक ने वैश्विक विकास और कल्याण पर विनाशकारी प्रभाव डाला है। जी20 बैठकों में भारत की स्थिति बहुपक्षवाद के प्रति अपनी गहरी प्रतिबद्धता और सतत विकास तथा सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजीएस) पर संयुक्त राष्ट्र 2030 एजेंडा के प्रति प्रतिबद्धता को दोहराती है।

**अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक सहयोग के लिए प्रमुख मंच के रूप में नामित जी20** ने पिछले दो दशकों में मजबूत, टिकाऊ और संतुलित विकास के लिए एक एजेंडा तैयार किया है जिसमे मजबूत अंतरराष्ट्रीय वित्तीय नियामक प्रणाली; अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के जनादेश, मिशन एवं शासन में सुधार; ऊर्जा सुरक्षा तथा जलवायु परिवर्तन पर विचार-विमर्श, सबसे कमजोर देशों के लिए समर्थन को मजबूत करना और रिकवरी के केंद्र में गुणवत्तापूर्ण नौकरियां शामिल है।

**जी20 ने वित्तीय विनियमन को मजबूत करने के प्रयासों के समन्वय और सर्विलांस के लिए वित्तीय स्थिरता बोर्ड (एफएसबी) की स्थापना की।** अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष में 5 प्रतिशत कोटा शेयरों को गतिशील उभरते

बाजारों और अधिक प्रतिनिधित्व वाले देशों से विकासशील देशों में स्थानांतरित करने के प्रयासों में जी20 सबसे आगे रहा है।

**2020 में, जी20 ने 10 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर के बेलआउट पैकेज के साथ कोविड-19 महामारी के खिलाफ वैश्विक लड़ाई की अगुआई की**, जो आर्थिक और स्वास्थ्य संकट पर ध्यान देने पर केंद्रित था।

**पिछले 15 वर्षों से, जी20 के एजेंडे में** वित्तीय बाजारों, व्यापार, स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा, भ्रष्टाचार विरोधी, महिला विकास, कौशल निर्माण और युवाओं को बढ़ावा देने वाले अतिरिक्त मुद्दों को शामिल करने के लिए विस्तार किया गया है। जी20 सरकार प्रमुखों और राज्य शिखरों की बैठकें वाशिंगटन डीसी (2008), लंदन और पिट्सबर्ग (2009), टोरंटो और सियोल (2010), कान (2011), मैक्सिको सिटी (2012), रोम (2013), ब्रिस्बेन (2014), अनाताल्या (2015), हांग्जो (2016), हैम्बर्ग (2017), ब्रिसबेन (2018), ओसाका (2019) और रियाद (2020) में आयोजित की गई। 2021 शिखर सम्मेलन रोम में आयोजित किया गया था और इंडोनेशिया 2022 की प्रेसीडेंसी रखता है।

जी20 बैठकों में भारत की स्थिति बहुपक्षवाद के प्रति अपनी गहरी प्रतिबद्धता और सतत विकास तथा सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजीएस) पर संयुक्त राष्ट्र 2030 एजेंडा के प्रति प्रतिबद्धता को दोहराती है।

पिछले 15 वर्षों से, जी20 के एजेंडे में वित्तीय बाजारों, व्यापार, स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा, भ्रष्टाचार विरोधी, महिला विकास, कौशल निर्माण और युवाओं को बढ़ावा देने वाले अतिरिक्त मुद्दों को शामिल करने के लिए विस्तार किया गया है।

**2016 में, G-20 ने सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजीएस) और विकास के लिए वित्तपोषण पर अदीस अबाबा एक्शन एजेंडा (एएएए) सहित सतत विकास के लिए 2030 एजेंडा पर एक्शन प्लान के लिए खुद को प्रतिबद्ध किया।** 2030 के एक्शन प्लान में अंतरराष्ट्रीय और घरेलू स्तरों पर सामूहिक और व्यक्तिगत दोनों तरह की ठोस कार्रवाइयों के माध्यम से साहसिक परिवर्तनकारी कदमों की परिकल्पना की गई है। संयुक्त राज्य अमेरिका के पेरिस समझौते से हटने की योजना के बावजूद जी-20 ने ऊर्जा और जलवायु में अपने प्रयासों के साथ स्थायी आजीविका में सुधार लाने की मांग की। जी-20 ने टिकाऊ एवं समावेशी आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के अपने लक्ष्य की मान्यता में अफ्रीका साझेदारी शुरू करने की जिम्मेदारी संभाली।

**पिछले एक दशक में जी-20 बैठकों का दायरा और संख्या बढ़ी है।** जी20 बैठकों में निम्नलिखित बैठकें शामिल हैं: (1) वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक के गवर्नरों की बैठक (वर्ष में दो बार), (2) जी20 प्रतिनिधियों की बैठक, (3) विकास पर जी20 मंत्रिस्तरीय बैठक तथा (4) शिखर बैठक।

जी20 शिखर सम्मेलन की बैठक कार्य समूहों की बैठकों, शेरपा बैठकों, वित्त बैठकों, एंगेजमेंट समूह की बैठकों और अंत में नेताओं की शिखर बैठक से पूर्व होती है। इसमे बी20 (व्यवसाय के लिए), सी20

(नागरिक समाज के लिए), एल20 (श्रमिक समूहों और यूनियनों के लिए), एस20 (वैज्ञानिक और शैक्षणिक समुदाय के लिए), टी20 (थिंक टैंक और अनुसंधान संस्थानों के लिए), डब्लू20 (महिला समूहों के लिए) और वाय20 (युवा नेताओं के लिए) है। जी20 बैठकों में काम उच्च स्तरीय सलाह-मशविरे युक्त लोकतंत्र के साथ होता है।

**बीते वर्षों के दौरान, जी20 "मजबूत, टिकाऊ, संतुलित और समावेशी विकास" के सिद्धांतों के प्रति प्रतिबद्ध रहा है।** 2008 के बाद से, जी20 ने वैश्विक शासन एजेंडा स्थापित करने में एक बड़ा योगदान दिया है। हालांकि, वैश्विक शासन चुनौतियों का प्रतिमान 2020-2022 में कोरोनोवायरस महामारी, एक उभरता हुआ ऋण संकट, वैश्विक विकास दर में मंदी और यूक्रेन में संघर्ष के साथ बदल गया है। इंडियन प्रेसीडेंसी - जी20@2023 के लिए एक रोडमैप तैयार करने में वैश्विक शासन की चुनौतियों की व्याख्या करने के लिए रियाद शिखर सम्मेलन और रोम शिखर सम्मेलन में विचार-विमर्श किए गए मुद्दों को प्रस्तुत करना महत्वपूर्ण है।

2008 के बाद से, जी20 ने वैश्विक शासन एजेंडा स्थापित करने में एक बड़ा योगदान दिया है।



## रियाद समिट 2020

**जी20 रियाद शिखर सम्मेलन 22 नवंबर, 2020 को आयोजित किया गया था।** यह दूसरी बार था जब जी20 नेता सऊदी प्रेसीडेंसी के तहत मिले थे। 26 मार्च, 2020 को एक असाधारण जी20 नेताओं का शिखर सम्मेलन आयोजित किया गया। कोविड-19 महामारी तथा इसके दौरान जान गंवाने के मामलों में इसका अभूतपूर्व प्रभाव, प्रभावित अर्थव्यवस्थाओं ने समय पर प्रतिक्रिया खोजने के लिए महत्वपूर्ण बहुपक्षीय प्रयासों की आवश्यकता बताई।

जी20 को डब्लूएचओ की रणनीतिक तैयारी और प्रतिक्रिया योजना में वित्तीय अंतराल को एड्रेस करना था, ताकि एक समावेशी रिकवरी सुनिश्चित की जा सके जो असमानताओं से निपटती है और एक स्थायी भविष्य सुनिश्चित करती है। एक अभूतपूर्व पच्चीस जी20 मंत्रिस्तरीय घोषणाएँ, कम्मुनिके और वक्तव्य वैश्विक चुनौतियों  का जवाब देने के लिए बहुपक्षवाद के सबसे निरंतर प्रयासों को चिह्नित करते हैं।

**रियाद शिखर सम्मेलन का फोकस जीवन, आजीविका और प्रभावित अर्थव्यवस्थाओं को बचाना था।** जी20 ने चुनौती से लड़ने के लिए महत्वपूर्ण प्रयास किए। फरवरी, मार्च, अप्रैल, जुलाई, सितंबर, अक्टूबर और नवंबर 2020 में बैठकों के साथ जी20 के वित्त मंत्रियों तथा केंद्रीय बैंक के गवर्नरों की 2020 में 7 बार मुलाकात हुई। जी20 व्यापार और निवेश मंत्रियों की मार्च, मई तथा सितंबर में 3 बार बैठक हुई। स्वास्थ्य मंत्रियों की बैठक सितंबर तथा नवंबर में हुई, शिक्षा मंत्रियों की बैठक जून तथा सितंबर में हुई, ऊर्जा, कृषि और जल, पर्यटन, पर्यावरण, श्रम तथा रोजगार, डिजिटल अर्थव्यवस्था मंत्रियों की बैठक अप्रैल, अक्टूबर तथा नवंबर में हुई। मंत्रिस्तरीय बैठकों ने वैश्विक सहयोग बढ़ाने के लिए 26 मार्च, 2020 के शिखर सम्मेलन की सिफारिशों को आगे बढ़ाया।

**जी20 आर्थिक प्रतिक्रिया ने कोविड-19 महामारी की चुनौतियों से लड़ने के लिए एक बहुआयामी समन्वित दृष्टिकोण की परिकल्पना की।**

जी20 आर्थिक प्रतिक्रिया ने कोविड-19 महामारी की चुनौतियों से लड़ने के लिए एक बहुआयामी समन्वित दृष्टिकोण की परिकल्पना की।

प्रमुख विशेषताएं थीं :

• *ऋण सेवा निलंबन पहल* आईएमएफ और विकास बैंकों द्वारा कार्यान्वित की जाएगी। वित्तीय क्षेत्र की कमजोरियों की निग्रानी के लिए वित्तीय स्थिरता बोर्ड बनाना।

• *डेब्ट सस्टेनेबिलिटी सस्पेंशन इनिसिटिव से परे ऋण के लिए एक सामान्य ढांचे के सिद्धांत* और आईएमएफ, विश्व बैंक और क्षेत्रीय विकास बैंकों द्वारा आपातकालीन प्रतिक्रिया पैकेजों की उधार क्षमता को बढ़ाना।

• *अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक सहायता कैटास्ट्रोफ कंटेनमेंट एंड रिलीफ ट्रस्ट के रूप में थी*, जिसने उप-सहारा अफ्रीका के 21 देशों को 6 महीने के लिए तत्काल ऋण सेवा राहत प्रदान की गई, मई-दिसंबर 2020 की अवधि में 46 देशों द्वारा ऋण सेवा निलंबन पहल का लाभ उठाया गया।

• गरीबी में कमी और विकास ट्रस्ट के तहत ऋण संसाधनों के विस्तार द्वारा आपातकालीन प्रतिक्रिया पैकेज के साथ 29 देशों के लिए *रैपिड फाइनेंसिंग इन्स्ट्रूमेंट*।

**जी20 स्वास्थ्य मंत्रियों ने कोविड-19 टूल एक्सेलेरेटर इनिसिटिव पर सहयोग करने के लिए काम किया।** उन्होंने "कोविड-19 उपकरणों तक पहुंच" के लिए वित्तीय सहायता को भी मजबूत किया और सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज योजनाओं के लिए समर्थन बढ़ाया।

शिक्षा मंत्रियों ने सीखने के अवसरों में डिजिटल विभाजन और असमानताओं को दूर करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए सीखने की निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए शिक्षण संस्थानों के लंबे समय तक बंद रहने, अंतरराष्ट्रीय सर्वोत्तम प्रथाओं, अनुभवों, सीखे गए पाठों के प्रभाव पर चर्चा की।

जी20 व्यापार मंत्रियों ने व्यापार सुगमता, लॉजिस्टिक्स नेटवर्क के संचालन और पारदर्शिता के लिए अल्पकालिक उपायों से परिचय कराने की मांग की। उन्होंने बहुपक्षीय व्यापार प्रणालियों का समर्थन करने, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में रिसिलेंस और अंतर्राष्ट्रीय निवेश को मजबूत करने की भी मांग की।

जी20 भ्रष्टाचार विरोधी मंत्रियों की बैठक में कोविड-19 से लड़ने में भ्रष्टाचार पर कार्रवाई, भ्रष्टाचार का मुकाबला करने के लिए एक अच्छे अभ्यास संग्रह की तैयारी, अंतर्राष्ट्रीय भ्रष्टाचार विरोधी कानून प्रवर्तन सहयोग और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और संपत्ति वसूली को बढ़ाने के लिए रियाद पहल का आह्वान किया गया। उन्होंने आगे रिश्वतखोरी को आपराधिक बनाने की मांग की।

**सऊदी प्रेसीडेंसी ने महामारी उपकरणों तक पहुंच बढ़ाने की पहल की।** इन कदमों में नैदानिक उपकरणों पर अनुसंधान और विकास और वितरण; वैश्विक महामारी के लिए अंतर्राष्ट्रीय वित्त पोषण को प्रोत्साहित करना और दुनिया भर से महामारी विज्ञानियों के लिए प्रशिक्षण का समर्थन करना।

**सऊदी अरब ने कोविड-19 महामारी से लड़ने के लिए तत्काल धन की जरूरतों के लिए 500 मिलियन अमरीकी डालर का योगदान दिया, जी20 सदस्य देशों ने महामारी के खिलाफ लड़ाई को वित्तपोषित करने के लिए 21 बिलियन अमरीकी डालर का वचन दिया।**

जी20 कोविड-19 वैक्सीन, चिकित्सीय और नैदानिक उपकरणों को सस्ता करने और न्यायसंगत पहुंच पर काम करने के लिए भी प्रतिबद्ध था। महामारी से लड़ने के लिए अर्थव्यवस्थाओं और लोगों का समर्थन करने के असाधारण उपायों के हिस्से के रूप में, जी20 ने व्यवसायों का समर्थन करने और आजीविका की रक्षा के लिए वैश्विक अर्थव्यवस्था में 11 ट्रिलियन अमरीकी डालर इंजेक्ट किए। इसके अलावा जी20 ने नौकरियों और आय की रक्षा के लिए सामाजिक सुरक्षा जाल को विस्तारित करने के लिए खुद को प्रतिबद्ध किया।

महामारी से लड़ने के लिए अर्थव्यवस्थाओं और लोगों का समर्थन करने के असाधारण उपायों के हिस्से के रूप में, जी20 ने व्यवसायों का समर्थन करने और आजीविका की रक्षा के लिए वैश्विक अर्थव्यवस्था में 11 ट्रिलियन अमरीकी डालर इंजेक्ट किए।

## 11 रियाद शिखर सम्मेलन 2020

सऊदी प्रेसीडेंसी के फोकस के अन्य क्षेत्रों में डब्ल्यूटीओ के भविष्य पर रियाद की पहल, महिलाओं और युवाओं का सशक्तिकरण, सर्कुलर कार्बन इकोनॉमी प्लेटफॉर्म का समर्थन, भूमि क्षरण को कम करना और सुरक्षित रूप से ताजे पानी तक पहुंच थी।

**लीडर्स स्टेटमेंट में चार व्यापक जोर क्षेत्रों को शामिल किया गया - एक साथ चुनौती का सामना करना, एक रिसिलेंट और लंबे समय तक चलने वाली रिकवरी का निर्माण, एक समावेशी रिकवरी सुनिश्चित करना जो असमानताओं से निपटती है और एक स्थायी भविष्य को बनाए रखती है।** लीडर्स समिट ने वैश्विक सार्वजनिक वस्तु के रूप में व्यापक टीकाकरण को मान्यता दी। रियाद शिखर सम्मेलन में, जी20 कम्मुनिके को अपनाकर दुनिया भर के सभी लोगों को आशा और आश्वासन का संदेश भेजने में सफल रहा था। वैश्विक चुनौतियों पर काबू पाने के लिए जी20 की संयुक्त और व्यक्तिगत कार्रवाइयाँ महत्वपूर्ण थीं।

**स्पष्ट रूप से जी20-रियाद शिखर सम्मेलन से आगे का रोडमैप वैश्विक रिसिलेंस था।** वैक्सीन के विकास और वितरण, जलवायु और पर्यावरण की रक्षा, डिजिटल अर्थव्यवस्था और प्रौद्योगिकी को नियंत्रित करने और अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों और शासन को बनाए रखने के लिए एक वैश्विक गठबंधन दिन की पुकार थी। स्वास्थ्य प्रणालियों के ओवरहालिंग में लचीली स्वास्थ्य प्रणालियों को विकसित करना शामिल है जो सतर्क, उत्तरदायी, रिसिलेंट और न्यायसंगत हैं। वैक्सीन वित्त एक बड़ी चुनौती थी जिसे एड्रेस करने की आवश्यकता

थी। इसके अलावा देशों के भीतर और देशों के बीच भी असमानताओं के संबंध में चुनौतियां मौजूद हैं। वैक्सीन राष्ट्रवाद देखा जा रहा था।

**बेहतर वैश्विक शासन ने संयुक्त राष्ट्र और बहुपक्षीय संस्थानों के प्रयासों को बल दिया।** आईएमएफ ने कम शर्तों के साथ कम समय में रिकॉर्ड संख्या में ऋण स्वीकृत किए। डब्लूएचओ को वैश्विक स्वास्थ्य पर विश्व की तीव्र प्रतिक्रिया बल के रूप में विकसित किया जाना था। एक अन्य प्रमुख परिकल्पित कदम विश्व व्यापार संगठन की प्रभावशीलता को बढ़ाना था। ऋण महामारी को रोकना एक बड़ी चुनौती का प्रतिनिधित्व करता है। कई देशों की उधार लेने की ज़रूरतें आसमान छू रही थीं और ऋण डेटा और ऋण अनुबंधों में अधिक पारदर्शिता की आवश्यकता थी। इसके अलावा निजी उधारदाताओं को डीएसएसआई का पालन कराने में कोई सफलता नहीं मिली। 2020 में वैश्विक विकास घटकर (-) 4.4 प्रतिशत हो गई थी और 2021 के लिए आंशिक रिकवरी अनुमान 5.2 प्रतिशत था।

## रोम शिखर सम्मेलन 2021

**30-31 अक्टूबर, 2021 को इटली ने रोम में जी20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी की। रोम घोषणा की प्राथमिकताओं को पीपुल, प्लेनेट एंड प्रोस्पेरिटी के रूप में रेखांकित किया गया था।** इन तीन आपस में जुड़े पिलरों के भीतर, इतालवी प्रेसीडेंसी ने नेतृत्व किया

• *महामारी के लिए एक त्वरित अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रिया विकसित करना* - भविष्य से संबंधित झटकों के लिए रिसिलेंस का निर्माण करते हुए - निदान, चिकित्सीय और वैक्सीन तक समान और विश्वव्यापी पहुंच प्रदान करना।

12 अक्टूबर, 2021 को अफगानिस्तान में उभरते मानवीय संकट की प्रतिक्रिया पर चर्चा करने के लिए एक जी20 प्लस कतर "असाधारण नेताओं" की बैठक आयोजित की गई थी।

• *जी20 ने संकट से तेजी से उबरने*, *असमानताओं को कम करने*, महिला सशक्तिकरण, युवा पीढ़ी, नई नौकरियां पैदा करके सबसे कमजोर लोगों की रक्षा करने, सामाजिक संरक्षण और खाद्य सुरक्षा पर ध्यान दिया।

• तीसरा प्रमुख स्तंभ निरंतर समृद्धि था। एक समृद्ध भविष्य जिसके लिए विकास और नवाचार के मुख्य चालकों के उचित उपयोग की आवश्यकता होती है, डिजिटल विभाजन को कम करना और डिजिटलीकरण को सभी के लिए एक अवसर बनाना, उत्पादकता में सुधार करना और संक्षेप में - किसी को भी पीछे नहीं छोड़ना हैं।

**जी20 रोम शिखर सम्मेलन का आयोजन वैश्विक अर्थव्यवस्था में एक तेज आर्थिक रिकवरी के बैकग्राउंड में किया गया था।** जी20 अर्थव्यवस्थाओं ने कमजोर परिवारों के लिए प्रत्यक्ष वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए नीतिगत उपायों की शुरुआत की थी - ब्राजील, जर्मनी, रूस और यूएसए ने बेरोजगारी लाभ विस्तारित किया, प्रभावित क्षेत्रों और फर्मों को लक्षित समर्थन प्रदान किया। कई जी20 अर्थव्यवस्थाओं - इटली, दक्षिण

अफ्रीका और स्पेन के पास अधिक राजकोषीय स्पेस नहीं था। उन्हें कर संरचना सुधार, व्यापार उदारीकरण, सक्रिय श्रम बाजार नीतियों में एक स्थायी रिकवरी का समर्थन करने के लिए संरचनात्मक सुधार करने थे। अतिरिक्त संसाधन और सार्वजनिक निवेश शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्रों में और डिजिटल बुनियादी ढांचे और रोजगार सृजन के लिए अधिक पहुंच के लिए किए गए थे।

**रोम घोषणा के क्रम में, 20 मंत्रिस्तरीय घोषणाएँ और कम्मुनिके थे** जिसकी शुरुआत जी20 वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक गवर्नरों की बैठक कम्मुनिके, जी20 संयुक्त वित्त और स्वास्थ्य मंत्रियों की कम्मुनिके, जी20 पर्यटन मंत्रियों की कम्मुनिके, जी20 शिक्षा मंत्रियों की घोषणा, जी20 श्रम और रोजगार मंत्रियों की घोषणा, जी20 पर्यावरण कम्मुनिके, जी20 डिजिटल मंत्रियों की घोषणा और जी20 व्यापार मंत्रियों की कम्मुनिके से हुई। *12 अक्टूबर, 2021 को अफगानिस्तान में उभरते मानवीय संकट की प्रतिक्रिया पर चर्चा करने के लिए एक जी20 प्लस कतर "असाधारण नेताओं" की बैठक आयोजित की गई थी।*

रोम घोषणापत्र, समर्थन उपायों को समय से पहले वापस लेने से टालकर महामारी के प्रतिकूल परिणामों को दृढ़ता से एड्रेस करने के लिए जी20 को प्रतिबद्ध करता है। जी20 के वैश्विक वित्तीय सुरक्षा जाल से कमजोर देशों को काफी मदद मिलेगी।

## 13 रोम शिखर सम्मेलन 2021

जी20 डेब्ट सर्विस सस्पेंशन इनिशिएटिव (डीएसएसआई) ने 50 देशों को लाभान्वित किया और जी20 ने निजी लेनदारों और द्विपक्षीय लेनदारों को डीएसएसआई के समान ऋण उपचार प्रदान करने के लिए कहा। इन पहलों ने अस्थिर ऋण बोझ को दूर करने और कम आय, उभरते बाजार और विकासशील देशों को दीर्घकालिक भंडार प्रदान करने में मदद की।

रोम घोषणापत्र ने पाया कि वैक्सीन के प्रभावी रोलआउट और निरंतर नीति समर्थन के साथ वैश्विक आर्थिक गतिविधि एक ठोस गति से ठीक हो रही थी। हालांकि, देशों में आर्थिक सुधार असमान है और एसीटी एक्सेलेटर और वैक्सीन के माध्यम से वैक्सीन, निदान, चिकित्सीय के लिए वित्त पोषण प्रदान करने के लिए जी20 नेतृत्व की आवश्यकता है। रोम घोषणापत्र समर्थन उपायों को समय से पहले वापस लेने से टालकर महामारी के प्रतिकूल परिणामों को दृढ़ता से एड्रेस करने के लिए जी20 को प्रतिबद्ध करता है। जी20 के वैश्विक वित्तीय सुरक्षा जाल से कमजोर देशों को काफी मदद मिलेगी।

2021 की समाप्ति तक जी20 ऋण सेवा निलंबन पहल (डीएसएसआई) का विस्तार, डीएसएसआई से परे ऋण के उपचार के लिए जी20 कॉमन फ्रेमवर्क और यूएसडॉलर 650 बिलियन एसडीआर आवंटन महत्वपूर्ण उपाय थे। डीएसएसआई ने 50 देशों को लाभान्वित किया और जी20 ने निजी लेनदारों और द्विपक्षीय लेनदारों को डीएसएसआई के समान तर्ज पर ऋण उपचार प्रदान करने के लिए कहा। इन पहलों ने अस्थिर ऋण बोझ को दूर करने और कम आय, उभरते बाजार और विकासशील देशों को दीर्घकालिक भंडार प्रदान करने में मदद की।

30 नवंबर, 2021 को, इतालवी प्रेसीडेंसी समाप्त हो गई और जी20 अर्थव्यवस्थाओं का नेतृत्व करने के लिए इंडोनेशिया द्वारा बैटन को उठाया गया।

इतालवी सरकार जिसने पीपुल, प्लेनेट एंड प्रोस्पेरिटी पर ध्यान केंद्रित किया और 12 महीने तक काम किया, जब तक कि नेताओं के शिखर सम्मेलन तक 175 आयोजन, विभिन्न शहरों में 20 मंत्रिस्तरीय बैठकें, वैश्विक स्वास्थ्य और अफगानिस्तान पर जी20 नेताओं की 2 विशेष बैठकें, 6 शेरपाओं की बैठकें, 62 कार्य समूह और 60 वित्त ट्रैक बैठकें हुई।

**इटली के प्रधान मंत्री मारियो द्राघी ने कहा कि "शिखर सम्मेलन एक सफलता थी" यह कहते हुए कि जलवायु, धन और गरीबी जैसे मुद्दों पर सहयोग आवश्यक है।** प्रधान मंत्री द्राघी ने कहा "सहयोग का वह रूप जिसे हम सबसे अच्छी तरह जानते हैं वह बहुपक्षवाद है" और जी20 सदस्यों को एक साथ तेजी से कार्य करने के लिए कहा। घोषणा ने कोविड-19 महामारी से उत्पन्न कई वैश्विक चुनौतियों पर काबू पाने में बहुपक्षवाद और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग की महत्वपूर्ण भूमिका की पुष्टि की।

बिजनेस 20, सिविल सोसाइटी 20, लेबर 20, थिंक 20 और यूथ 20 जैसे जी20 एंगेजमेंट समूह भी मौजूद हैं जो जी20 प्रक्रियाओं में बड़े पैमाने पर योगदान करते हैं।

**राष्ट्रपति बिडेन ने कहा कि उन्हें विश्व नेताओं के साथ अपनी बैठकों के दौरान वैश्विक चुनौतियों का सामना करने में अमेरिकी नेतृत्व के लिए एक 'वास्तविक उत्सुकता' का सामना करना पड़ा।** "यहाँ जो हुआ उसका नेतृत्व करने में हमने मदद की, संयुक्त राज्य अमेरिका इस पूरे एजेंडे का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है, और हमने इसे किया"। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि व्यक्तिगत रूप से मिलने और असहमतियों पर काम करने का कोई विकल्प नहीं है।

**निष्कर्ष में, यह कहा जा सकता है कि जी20 रोम शिखर सम्मेलन एक सफलता थी**-कई मुद्दों पर आम सहमति हासिल की गई, वैश्विक न्यूनतम कर, भविष्य की महामारियों का जवाब देने के लिए एक वैश्विक निकाय की स्थापना और 2021 के अंत तक 40 प्रतिशत आबादी का वैश्विक टीकाकरण लक्ष्य. आगे जी20 ने भविष्य की वैश्विक पारिस्थितिक सुरक्षा की ताकतों को रैली करने में सक्षम बनाया।

## जी20 - बहुपक्षीय संस्थानों का सुधार

**जी20 में बहुपक्षवाद संयुक्त राष्ट्र, आईएमएफ, विश्व बैंक समूह, ओईसीडी, डब्लूटीओ, आईएलओ, एफएसबी, और बीआईएस सहित कई अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के माध्यम से कार्य करके प्रक्रिया में योगदान देता है।** बिजनेस 20, सिविल सोसाइटी 20, लेबर 20, थिंक 20 और यूथ 20 जैसे जी20 एंगेजमेंट समूह भी मौजूद हैं जो जी20 प्रक्रियाओं में बड़े पैमाने पर योगदान करते हैं। वैश्विक नीतिगत चुनौतियों की जटिल प्रकृति को देखते हुए, सुरक्षा तंत्र, आपातकालीन तरलता, संकट को फैलने से रोकने और व्यवस्थित ऋण पुनर्गठन में प्रगति के लिए बहुपक्षीय संस्थान गंभीर रूप से महत्वपूर्ण हैं।

**2022 में, वैश्वीकरण के प्रयासों में मंदी के पर्याप्त संकेत हैं।** दुनिया ने यूक्रेन में युद्ध के परिणामस्वरूप पूर्वी यूरोप में दुखद मानवीय संकट देखा है, रूस के खिलाफ पश्चिमी प्रतिबंधों, प्रमुख विनिर्माण केंद्रों सहित चीन में व्यापक लॉकडाउन, जिनमें से सभी ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। बहुपक्षीय सहयोग अब तक युद्ध के शांतिपूर्ण समाधान में सफल साबित नहीं हुआ है। कोरोनवायरस महामारी को रोकने के लिए कोविड-19 टूल - परीक्षण, उपचार और टीके - तक दुनिया भर में पहुंच हासिल करने में भी चुनौतियां बनी हुई हैं।

अतीत में, जी20 ने बहुपक्षवाद में कई बड़ी सफलताएँ देखी हैं और आशा है कि नए सिरे से बहुपक्षवाद के प्रयास सफल हो सकते हैं।

## 15

## जी20 - बहुपक्षीय संस्थाओं का सुधार

इसी संदर्भ में बहुपक्षीय संस्थानों में सुधार के लिए जी20 के प्रयासों की जांच करने की आवश्यकता है।

**अतीत में, जी20 ने बहुपक्षवाद में कई बड़ी सफलताएँ देखी हैं और आशा है कि नए सिरे से बहुपक्षवाद के प्रयास सफल हो सकते हैं:**

• 2008 में, वैश्विक आर्थिक संकट और यूरोपीय संकट की बैकग्राउंड में, जी20 का ध्यान आईएमएफ के माध्यम से विश्व अर्थव्यवस्था की बढ़ी हुई सर्विलांस और वित्तीय स्थिरता बोर्ड के माध्यम से मजबूत वित्तीय क्षेत्र के विनियमन पर था।

• 2015 में, जी20 ने विश्व अर्थव्यवस्था में उनकी सापेक्ष स्थिति के अनुरूप गतिशील अर्थव्यवस्थाओं के शेयरों को प्रतिबिंबित करने के लिए आईएमएफ कोटा और शासन सुधार का नेतृत्व किया। कोरिया, ब्राजील और चीन को शामिल करने के लिए, पेरिस क्लब, आधिकारिक द्विपक्षीय ऋण के पुनर्गठन के लिए प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मंच को विस्तारित किया गया।

• 2017 में, जी20 के नेताओं ने संयुक्त राज्य अमेरिका के पेरिस समझौते से हटने के निर्णय पर ध्यान दिया। संयुक्त राज्य अमेरिका की वापसी के बावजूद, जी20 के नेताओं ने कहा कि पेरिस समझौता अपरिवर्तनीय था। "जलवायु में निवेश, विकास में निवेश" जी20 की पंक्ति थी क्योंकि इसने विकास के लिए हैम्बर्ग जी20 जलवायु और ऊर्जा एक्शन प्लान को अपनाया था।

2022 के लिए प्रतिबद्धता है, (अ) **आईएमएफ शासन सुधार की निरंतर प्रक्रिया को कोटा की 16वीं सामान्य समीक्षा के तहत दिसंबर 2023 तक करना** और (ब) **रेजिलिएंस एंड सस्टेनेबिलिटी ट्रस्ट को चीन और सऊदी अरब सहित 12 देशों से 40 बिलियन अमरीकी डालर की वित्तीय प्रतिबद्धता प्राप्त हुई है।**

**डब्लूटीओ का 12वां मंत्रिस्तरीय सम्मेलन (एमसी12) 12-17 जून, 2022 को जिनेवा में हुआ।** जिनेवा पैकेज ने विश्व व्यापार संगठन को एक नया जीवन दिया है। वैक्सीन इक्विटी को सुरक्षित करने के लिए पेटेंट

नियमों में ढील देने, खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने, मत्स्य पालन क्षेत्र को सब्सिडी देने और ई-कॉमर्स के लिए प्रासंगिक अधिस्थगन स्थापित करने पर सहमति हासिल करने के लिए एमसी12 डब्लूटीओ मंत्रिस्तरीय बैठक में सहमति बनी। इलेक्ट्रॉनिक ट्रांसमिशन (ईटी) पर सीमा शुल्क नहीं लगाने पर मौजूदा रोक 2023 में समीक्षा के लिए आएगी।

**वित्तीय स्थिरता बोर्ड ने गैर-बैंकिंग वित्तीय मध्यस्थता की रिसिलेंस बढ़ाने और सीमा पार भुगतान में** चुनौतियों का समाधान करने पर अपने बहु-वर्षीय कार्यक्रम में काफी प्रगति की है। इस कार्य को आगे बढ़ाने के लिए एक स्टीरिंग समूह का गठन किया गया है।

**विश्व स्वास्थ्य संगठन ने एक मजबूत डब्लूएचओ के लिए 10 सिफारिशें तैयार की हैं।** सिफारिशों में महामारी और सर्वव्यापी महामारी के खिलाफ देशों का समर्थन करने के लिए एक वित्तीय मध्यस्थ कोष (एफआईएफ) का निर्माण शामिल है। एफआईएफ धन का उपयोग रोग सर्विलांस, प्रयोगशाला प्रणाली, स्वास्थ्य कार्यबल, आपातकालीन संचार और प्रबंधन और सामुदायिक जुड़ाव में महत्वपूर्ण अंतराल को दूर करने के लिए किया जाएगा। काम के अन्य क्षेत्रों में दुनिया के सभी क्षेत्रों में वैक्सीन, परीक्षणों, उपचारों के तेजी से विकास और समान पहुंच के लिए एक नया मंच और स्थानीय उत्पादन का विस्तार शामिल है।

इंडोनेशियाई प्रेसीडेंसी ने कहा है कि दुनिया को प्रमुख विकसित देशों और उभरती अर्थव्यवस्थाओं के बीच अधिक सामूहिक कार्रवाई और समावेशी सहयोग की आवश्यकता है।

अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन ने जी20 देशों में काम पर महिलाओं पर अपना काम जारी रखा है जिसमे श्रम बाजारों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने, महिलाओं की कमाई की गुणवत्ता में सुधार, महिलाओं के श्रम बाजार की सुरक्षा में सुधार और कामकाजी परिस्थितियों में सुधार पर ध्यान देना केंद्रित था।

इंडोनेशियाई प्रेसीडेंसी

**जी20 इंडोनेशियाई प्रेसीडेंसी रिकवर टुगेदर-रिकवर स्ट्रॉगर थीम पर आधारित है।** इंडोनेशियाई प्रेसीडेंसी ने कहा है कि दुनिया को प्रमुख विकसित देशों और उभरती अर्थव्यवस्थाओं के बीच अधिक सामूहिक कार्रवाई और समावेशी सहयोग की आवश्यकता है।

**इंडोनेशियाई प्रेसीडेंसी के लिए प्राथमिकता वाले मुद्दे वैश्विक स्वास्थ्य, वास्तुकला, डिजिटल परिवर्तन और सतत ऊर्जा संक्रमण हैं।** प्रेसीडेंसी 15-16 नवंबर 2022 के लिए निर्धारित बाली शिखर सम्मेलन के साथ समाप्त होगी। इंडोनेशियाई प्रेसीडेंसी ने जी20 एजेंडे और प्राथमिकताओं पर चर्चा करने और सिफारिशें प्रदान करने के लिए शेरपा ट्रैक, 11 कार्य समूहों, 1 पहल समूह और 10 एंगेजमेंट समूहों के माध्यम से योजना बनाई है।

11 कार्यकारी समूहों में कृषि, डिजिटल अर्थव्यवस्था, शिक्षा, रोजगार, पर्यटन, विकास, ऊर्जा संक्रमण, पर्यावरण और जलवायु स्थिरता, व्यापार, निवेश और उद्योग, भ्रष्टाचार विरोधी, स्वास्थ्य, संयुक्त वित्त और स्वास्थ्य कार्य बल और सशक्तिकरण पहल और महिला अधिकारिता शामिल हैं। **वित्त ट्रैक 6 प्राथमिकता**

**वाले क्षेत्रों पर चर्चा कर रहा है** - निकास रणनीतियों का समन्वय, प्रभाव कम करना, भुगतान प्रणाली को मजबूत करना, स्थायी वित्त का विकास, समावेशी वित्तीय प्रणाली में सुधार और अंतर्राष्ट्रीय कराधान एजेंडा।

अक्टूबर 2021 में अफगानिस्तान पर जी20 असाधारण शिखर सम्मेलन में, प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से अफगानिस्तान को 'मानवीय सहायता के लिए तत्काल और निर्बाध पहुंच' प्रदान करने का आह्वान किया।

## 17

## इंडोनेशियाई प्रेसीडेंसी

प्रधान मंत्री मोदी ने कई मुद्दों पर 2014-21 से जी20 शिखर सम्मेलन की बैठकों को संबोधित किया है। प्रधान मंत्री मोदी ने जी20 शिखर सम्मेलन की आठ बैठकों में से प्रत्येक में औसतन 25 बैठकों में भाग लिया है।

इंडियन प्रेसीडेंसी

भारत 2023 में नई दिल्ली में जी20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा। 2021 में जी20 मंचों में भारतीय नेतृत्व द्वारा निम्नलिखित प्रमुख मुद्दों को हरी झंडी दिखाई गई:

• शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र के उच्चायुक्त की रिपोर्ट और अफगानिस्तान के लिए धन की अपील के जवाब में जी20 नेताओं की बैठक में 13 अक्टूबर, 2021 को प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से अफगानिस्तान को *'मानवीय सहायता के लिए तत्काल और अबाधित पहुंच'* प्रदान करने का आह्वान किया। यह अंतर्राष्ट्रीय सहायता एजेंसियों के साथ काम करने की भारत की इच्छा को दर्शाता है जो विस्थापित अफगानों के साथ काम कर रहे हैं, अफगान लोगों के लिए इस 'बनने या बिगड़ने' के क्षण में, विशेष रूप से उन दस लाख बच्चों के लिए जो भुखमरी के जोखिम में हैं।

• 14 अक्टूबर, 2021 को वाशिंगटन डीसी में जी20 वित्त मंत्रियों की बैठक में, वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमन ने कहा कि सभी के लिए कोविड-19 वैक्सीन की समान पहुंच सुनिश्चित करना संकट से उबरने के लिए संक्रमण के लिए महत्वपूर्ण है और प्रस्तावित वैश्विक कर सौदे से अर्थव्यवस्था के डिजिटलीकरण से उत्पन्न चुनौतियों का समाधान करने में मदद मिलेगी। भारत ने 'बेस इरोजन एंड प्रॉफिट शिफ्टिंग (बीईपीएस) पर रूपरेखा' का समर्थन किया, जिसके लिए बहुराष्ट्रीय उद्यमों पर 15 प्रतिशत कर लगाने के लिए सभी ज्यूरीडिक्सन्स की आवश्यकता है।

• 12 अक्टूबर, 2021 को सोरेंटो, इटली में जी20 व्यापार मंत्रियों की बैठक में, वाणिज्य और उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल ने नई व्यापार बाधाओं जैसे वैक्सीन भेदभाव या कोविड पासपोर्ट को सक्रिय रूप से हल करने के लिए भारत की स्थिति को सामने रखा, जो गतिशीलता प्रतिबंध और महत्वपूर्ण सेवाएं प्रदान करने

के लिए आवश्यक कर्मियों की आवाजाही को लागू करता है। वाणिज्य मंत्री ने पूरी दुनिया को भारत की टेलीमेडिसिन पहल ई-संजीवनी की भी पेशकश की।

| जी20 शिखर सम्मेलन की बैठकों में प्रधानमंत्री मोदी |
|---|

| काले धन और कर से बचने पर भारत की चिंताओं को जी20 में ऑन-बोर्ड लिया गया है। |
|---|

प्रधान मंत्री मोदी ने कई मुद्दों पर 2014-21 से जी20 शिखर सम्मेलन की बैठकों को संबोधित किया है। प्रधान मंत्री मोदी ने जी20 शिखर सम्मेलन की आठ बैठकों में से प्रत्येक में औसतन 25 बैठकों में भाग लिया है। इनमें द्विपक्षीय बैठकें, अलग-अलग कार्यकलाप, आरआईसी, जेएआई और बीआरआईसीएस/ब्रिक्स समूहों की बैठकें शामिल हैं। उन्होंने कई वैश्विक चुनौतियों जैसे कि जलवायु परिवर्तन और इसके प्रभाव, 5-जी नेटवर्क की शुरुआत के साथ गति और राष्ट्रीय सुरक्षा की जरूरतों के बीच संतुलन, साथ ही प्रौद्योगिकी संचालित आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई पर चर्चा की। प्रधान मंत्री मोदी ने स्थायी विकास और वित्तीय स्थिरता को बढ़ावा देने के अपने मूल उद्देश्य के साथ अधिक प्रभावी व्यवहार के लिए जी20 की अगुआई की है।

| प्रधान मंत्री मोदी ने जी20 को संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों, विशेष रूप से 2030 तक सभी तरह की गरीबी उन्मूलन के लक्ष्य के साथ अपने प्रयासों को संरेखित करने का आह्वान किया। |
|---|

**2014 में ब्रिस्बेन जी20 शिखर सम्मेलन में, प्रधान मंत्री मोदी ने काले धन के खिलाफ एक मजबूत आवाज उठाई।** भारत ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय कर कानूनों में कई तरह की कठोरताएं है और पिछली कर संधियां भी सूचनाओं के आसान आदान-प्रदान की सुविधा नहीं देती हैं। प्रधान मंत्री मोदी ने कम्मुनिके में एक खंड शामिल करने के लिए जी20 में आम सहमति बनाई जो कंपनियों को पूर्ण कर छूट देने के लिए टैक्स हेवन के लिए मुश्किल बना देगा।

**काले धन और कर चोरी पर भारत की चिंताओं को जी20 में ऑन-बोर्ड लिया गया।** जी20 कम्मुनिके में कहा गया है कि 'हम पारस्परिक आधार पर कर सूचना के स्वचालित आदान-प्रदान के लिए अंतिम रूप से सामान्य रिपोर्टिंग मानक का समर्थन करते हैं जो सीमा पार कर चोरी से निपटने और रोकने की हमारी क्षमता में एक कदम-परिवर्तन प्रदान करेगा। जी20 कम्मुनिके में कहा गया है कि हम 2017 या 2018 के अंत तक एक दूसरे के साथ और अन्य देशों के साथ स्वचालित रूप से सूचनाओं का आदान-प्रदान शुरू कर देंगे'। भारत के मामले में यह घटनाक्रम महत्वपूर्ण था क्योंकि इसे अन्य देशों विशेषकर स्विट्जरलैंड से संदिग्ध कर चोरी के मामलों की जानकारी प्राप्त करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था।

**जल्द ही स्विट्जरलैंड और मॉरीशस द्वारा वैश्विक प्रोटोकॉल को अपनाया गया जिसके साथ भारत ने मनी लॉन्ड्रिंग की चिंताओं के कारण द्विपक्षीय संधि को संशोधित करने का काम किया था।** गोपनीयता खंड के साथ सूचनाओं के आदान-प्रदान से सरकारें वार्षिक आधार पर अपने वित्तीय संस्थानों से विस्तृत खाता जानकारी प्राप्त कर सकेंगी। जी20 ने पारस्परिक आधार पर कर सूचना के स्वत: आदान-प्रदान के लिए

वैश्विक सामान्य रिपोर्टिंग मानक का समर्थन किया और खुद को 'हानिकारक कर प्रथाओं को समझने के लिए पाए गए करदाता-विशिष्ट निर्णयों की पारदर्शिता' के लिए प्रतिबद्ध किया।

प्रधान मंत्री मोदी ने कहा कि आतंकवाद प्रमुख वैश्विक चुनौती है और ऐसे देश हैं जो आतंकवाद को राज्य की नीति के एक यंत्र के रूप में उपयोग करते हैं।

## 19

## जी20 शिखर बैठकों में प्रधानमंत्री मोदी

ओसाका शिखर सम्मेलन में, प्रधान मंत्री मोदी ने सामाजिक लाभ के लिए डिजिटल प्रौद्योगिकी को अधिकतम करने के लिए '5-आई' दृष्टिकोण प्रस्तुत किया। 5-आई मे- समावेशिता, स्वदेशीकरण, नवाचार, बुनियादी ढांचे में निवेश और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग है।

**प्रधान मंत्री मोदी ने बहुपक्षीय विकास बैंकों से अपने पूंजी आधार को बढ़ाने और विकासशील देशों की बुनियादी ढांचे की जरूरतों का समर्थन करने का आह्वान किया।** उन्होंने न्यू डेवलपमेंट बैंक जैसे नए बहुपक्षीय वित्तपोषण संस्थानों का स्वागत किया। प्रधान मंत्री मोदी ने जी20 को संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों, विशेष रूप से 2030 तक सभी तरह की गरीबी उन्मूलन के लक्ष्य के साथ अपने प्रयासों को संरेखित करने का आह्वान किया।

**प्रधान मंत्री मोदी ने भ्रष्टाचार और काले धन पर भारत की जीरो टॉलरेंस नीति का हवाला देते हुए पारदर्शिता और अखंडता को बढ़ावा देने के लिए जी20 का आह्वान किया।** अत्यधिक बैंकिंग गोपनीयता और प्रभावी काउंटर टेररिज्म फाइनेंसिंग टूल्स की बाधाओं को एड्रेस करते हुए, मूल देश में अवैध धन की वापसी के लिए अधिक से अधिक अंतर्राष्ट्रीय सहयोग जरूरी है।

**प्रधान मंत्री मोदी ने क्षेत्रीय व्यापार समझौतों से पहले एक उदार बहुपक्षीय व्यापार व्यवस्था का समर्थन किया।** उन्होंने श्रम गतिशीलता और कौशल पोर्टेबिलिटी में वृद्धि का भी आह्वान किया। स्वच्छ ऊर्जा के लिए, उन्होंने कहा कि स्वच्छ कोयला प्रौद्योगिकी पर काम करते हुए भारत ने 2022 तक अक्षय ऊर्जा के 175 जीडब्लू का लक्ष्य निर्धारित किया था, जीवाश्म ईंधन पर सब्सिडी में कटौती की और कोयले पर कार्बन उपकर लगाया। भारत ने गैर-जीवाश्म ईंधन के माध्यम से 40 प्रतिशत ऊर्जा का लक्ष्य अपने लिए निर्धारित किया। प्रधान मंत्री मोदी ने स्वच्छ और नवीकरणीय ऊर्जा में अनुसंधान और विकास में वृद्धि, लागत में कमी और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और वित्तीय सहायता के माध्यम से सार्वभौमिक पहुंच का आह्वान किया।

**प्रधान मंत्री मोदी ने कहा कि आतंकवाद प्रमुख वैश्विक चुनौती है और ऐसे देश हैं जो आतंकवाद को राज्य की नीति के एक यंत्र के रूप में उपयोग करते हैं।** उन्होंने आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए सुरक्षा के लिए एक व्यापक वैश्विक ढांचे का आह्वान किया, दुनिया से एक स्वर में बोलने और बिना किसी

राजनीतिक विचार के आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होकर काम करने का आग्रह किया, जो आतंकवाद का समर्थन और प्रायोजित करते हैं।

**प्रधानमंत्री मोदी ने आतंकवाद की चुनौतियों से निपटने के लिए अंतर्राष्ट्रीय कानूनी ढांचे का पुनर्गठन करके अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद पर एक व्यापक सम्मेलन का आह्वान किया।** आतंकवादियों को हथियारों की आपूर्ति रोकने, आतंकवादी गतिविधियों को बाधित करने और आतंकवादी वित्तपोषण को रोकने और अपराधीकरण करने के लिए सभी प्रयास किए जाने चाहिए। साइबर स्पेस को सुरक्षित करने और आतंकवादी गतिविधियों के लिए इंटरनेट और सोशल मीडिया के उपयोग को कम करने में वैश्विक सहयोग की सिफारिश की गई।

**प्रधानमंत्री मोदी ने भगोड़े आर्थिक अपराधियों से व्यापक रूप से निपटने के लिए वैश्विक सहयोग की मांग करते हुए भगोड़े आर्थिक अपराधियों पर 9-सूत्रीय एजेंडा प्रस्तुत किया।** अपराध की आय पर रोक लगाने, अपराधियों की जल्द वापसी और अपराध की कार्यवाही के कुशल उपचार जैसी कानूनी प्रक्रियाओं में सहयोग को बढ़ाया और सुव्यवस्थित किया जाना चाहिए। भारत ने भगोड़े आर्थिक अपराधियों को प्रवेश और सुरक्षित पनाहगाहों से वंचित करने वाला तंत्र बनाने के लिए जी-20 देशों के संयुक्त प्रयासों का भी आह्वान किया।

भारत की पहल पर आपदा रिसिलेंट बुनियादी ढांचे के लिए गठबंधन कम से कम विकसित और विकासशील देशों द्वारा प्राकृतिक आपदाओं का सामना करने के लिए उपयुक्त बुनियादी ढांचे के विकास में मदद करेगी। प्रधानमंत्री मोदी ने सभी देशों से इस गठबंधन में शामिल होने का आह्वान किया।

**भारत ने सुझाव दिया कि वित्तीय खुफिया इकाइयों के बीच सूचनाओं के आदान-प्रदान को सुनिश्चित करने के लिए वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ) को बनाया जाना चाहिए** और प्रत्यर्पण के सफल मामलों, प्रत्यर्पण की मौजूदा प्रणालियों में गैप और कानूनी सहयोग के अनुभवों को साझा करने के लिए एक साझा मंच स्थापित करना चाहिए। इसमें कहा गया है कि जी20 फोरम को आर्थिक अपराधियों की संपत्तियों का पता लगाने पर काम शुरू करने पर विचार करना चाहिए, जिनकी वसूली के लिए उनके निवास के देश में कर ऋण है।

**ब्रिक्स नेताओं की अनौपचारिक बैठकें जी20 शिखर बैठकों का हिस्सा बन गई हैं और प्रधानमंत्री मोदी ने इनमें से प्रत्येक बैठक में ब्रिक्स नेताओं को संबोधित किया।** प्रधान मंत्री ने ब्रिक्स बैठकों में 'सुधारित बहुपक्षवाद' का सुझाव दिया।

**ओसाका शिखर सम्मेलन में, प्रधान मंत्री मोदी ने सामाजिक लाभ के लिए डिजिटल प्रौद्योगिकी को अधिकतम करने के लिए '5-आई' दृष्टिकोण प्रस्तुत किया।** '5-आई' मे समावेश, स्वदेशीकरण, नवाचार, बुनियादी ढांचे में निवेश और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग है। उन्होंने कहा, 'अगले 5 साल में हमारा लक्ष्य भारत को पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का है। सामाजिक क्षेत्र हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। साथ ही हम इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट खासकर डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर पर ज्यादा फोकस करेंगे।'

**ओसाका जी20 समिट से इतर ब्रिक्स नेताओं की बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने तीन प्रमुख चुनौतियों**- विश्व अर्थव्यवस्था में मंदी और अनिश्चितता, नियम-आधारित बहुपक्षीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार प्रणालियों पर एकतरफा फैसला और प्रतिद्वंद्विता हावी होना और विकास और प्रगति को समावेशी और टिकाऊ बनाने पर फोकस किया।

रोम शिखर सम्मेलन में, प्रधान मंत्री मोदी ने भविष्य में इस तरह के संकट से निपटने के लिए दुनिया के लिए 'वन अर्थ-वन हेल्थ' के भारत के दृष्टिकोण को सामने रखा। उन्होंने महामारी के दौरान दुनिया के 150 देशों को दवाइयां पहुंचाने वाली फार्मेसी के रूप में भारत की भूमिका के बारे में बात की।

## 21 जी20 शिखर सम्मेलन की बैठकों में प्रधान मंत्री मोदी

सतत विकास पर सत्र में, प्रधान मंत्री मोदी ने विशेष रूप से एलडीसी और अफ्रीकी देशों में रिकवरी के बाद की अवधि में एसडीजी को बहुत महत्व दिया।

**भारत की पहल पर आपदा रिसिलेंट बुनियादी ढांचे के लिए गठबंधन कम से कम विकसित और विकासशील देशों द्वारा प्राकृतिक आपदाओं का सामना करने के लिए उपयुक्त बुनियादी ढांचे के विकास में मदद करेगी।** प्रधानमंत्री मोदी ने सभी देशों से इस गठबंधन में शामिल होने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री मोदी ने आतंकवाद पर एक वैश्विक सम्मेलन का भी आह्वान किया।

**प्रधान मंत्री मोदी ने जी20 ओसाका शिखर सम्मेलन 2019 के मार्जिन पर 'रूस-भारत चीन' (आरआईसी) नेताओं के अनौपचारिक शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता की**। इसी तरह की त्रिपक्षीय बैठक ब्यूनस आयर्स जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान भी आयोजित की गई थी। 3 राष्ट्रों ने अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर सहयोग बढ़ाने, बहुपक्षीय संस्थानों में सुधार और मजबूती पर चर्चा की, जिससे संयुक्त राष्ट्र, विश्व व्यापार संगठन और स्थापित वैश्विक वित्तीय संस्थानों सहित दुनिया को लाभ हुआ।

**ब्यूनस आयर्स शिखर सम्मेलन में, प्रधान मंत्री मोदी ने 'जापान-अमेरिका-भारत' (जेएआई) की एक त्रिपक्षीय बैठक में भाग लिया**, यह घनिष्ठ साझेदारी जिसका उद्देश्य एक मुक्त और खुले हिंद-प्रशांत को साकार करना है, जिसमें 3 राष्ट्रों ने अंतर्राष्ट्रीय कानून के सम्मान और सभी मतभेदों के शांतिपूर्ण समाधान के आधार पर हिंद-प्रशांत क्षेत्र में एक स्वतंत्र, खुला, निर्णायक और नियम-आधारित ऑर्डर की प्रगति पर अपने विचार साझा किए। जेएआई और आरआईसी में भारत की भागीदारी ने प्रधान मंत्री मोदी के वर्षों से प्रमुख शक्ति संबंधों के साथ चतुर प्रबंधन का प्रतिनिधित्व करता हैं।

**रियाद शिखर सम्मेलन में, प्रधान मंत्री मोदी ने एक पोस्ट कोरोनावायरस दुनिया का आह्वान किया जिसमें चार तत्व शामिल हैं**- एक विशाल टेलेंट पूल का निर्माण, जो सुनिश्चित करे कि प्रौद्योगिकी समाज के सभी वर्गों तक पहुंचती है, शासन प्रणाली में पारदर्शिता, और धरती माता के साथ ट्रस्टीशिप भावना के साथ व्यवहार करना। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इसके आधार पर जी20 नई दुनिया की नींव रख सकता है।

आगे प्रधान मंत्री मोदी ने एक विशाल मानव टेलेंट पूल बनाने के लिए मल्टी-स्किलिंग और री-स्किलिंग पर ध्यान केंद्रित किया।

**रोम शिखर सम्मेलन में, प्रधान मंत्री मोदी ने भविष्य में इस तरह के संकट से निपटने के लिए दुनिया के लिए 'वन अर्थ-वन हेल्थ' के भारत के दृष्टिकोण को सामने रखा**, साथ ही दुनिया के 150 देशों को दवा देने वाली दुनिया के लिए फार्मेसी के रूप में भारत की भूमिका की बात की। प्रधान मंत्री मोदी ने अगले वर्ष 5 अरब से अधिक वैक्सीन खुराक के निर्माण के साथ वैश्विक दायित्वों को पूरा करने में भारत की गंभीरता को प्रतिबद्ध किया जो कोरोना के वैश्विक संचरण को रोकने में एक लंबा रास्ता तय करेगा। भारत का आईटी-बीपीओ क्षेत्र कहीं से भी काम करने के मानदंडों के अनुसार बिना किसी व्यवधान के पूरी दुनिया का समर्थन करने के लिए चौबीसों घंटे काम कर रहा है, और एक निष्पक्ष वैश्विक वित्तीय संरचना के लिए 15 प्रतिशत वैश्विक कॉर्पोरेट कर की दर के लिए समर्थन किया है।

**जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण पर सत्र में, प्रधान मंत्री मोदी ने जलवायु शमन के प्रति पूरी संवेदनशीलता व्यक्त की।** उन्होंने आगे विकसित देशों द्वारा जलवायु वित्त की उपेक्षा का हवाला दिया और कहा कि जलवायु वित्त पर ठोस प्रगति के बिना विकासशील देशों पर जलवायु कार्रवाई के लिए दबाव डालना अन्यायपूर्ण है। उन्होंने सुझाव दिया कि विकसित देश 'स्वच्छ ऊर्जा परियोजना कोष' के हिस्से के रूप में विकासशील देशों में हरित परियोजनाओं के वित्तपोषण के लिए अपने सकल घरेलू उत्पाद का एक प्रतिशत उपलब्ध कराएं। उन्होंने जी20 देशों से हरित हाइड्रोजन के क्षेत्र में इसके उत्पादन और उपयोग को प्रोत्साहित करने के लिए वैश्विक मानकों की एक संस्था बनाने का भी आग्रह किया।

**सतत विकास पर सत्र में, प्रधान मंत्री मोदी ने विशेष रूप से एलडीसी और अफ्रीकी देशों में पोस्ट रिकवरी अवधि में एसडीजी को बहुत महत्व दिया।** उन्होंने कहा कि भारत की विकास यात्रा अन्य विकासशील देशों को डिजिटल कनेक्टिविटी, वित्तीय समावेशन और बच्चों के टीकाकरण में कई खाके पेश कर सकती है, साथ ही भारत के डिजिटल समाधानों को संपूर्ण मानवता के लिए उपलब्ध खुले स्रोत के रूप में साझा करने की इच्छा व्यक्त की। उन्होंने 'कार्रवाई के दशक' के पहले वर्ष में इस बात पर जोर दिया कि सभी देशों को वैश्विक रिकवरी के लाभों का विस्तार करना जी20 की साझा जिम्मेदारी है।

## निष्कर्ष

जी20 इंडियन प्रेसीडेंसी भारतीय लोकतंत्र के सबसे महत्वपूर्ण मील के पत्थर के क्षणों में से एक होगा। यह व्यापक रूप से महसूस किया जाता है कि ऐसे समय में जब बहुपक्षवाद संकट में है, भारत पर एक विभाजित बहुध्रुवीय दुनिया में स्थिरता लाने और चुनौतियों के लिए व्यापक वैश्विक प्रतिक्रियाओं को तैयार करने की जिम्मेदारी होती है। नवंबर 2022 में इंडियन प्रेसीडेंसी की थीम की घोषणा की जाएगी। इंडियन प्रेसीडेंसी के लिए एजेंडा रियाद, रोम और आगामी जकार्ता शिखर सम्मेलन की कम्मुनिके से लिया जा सकता है।

आईएमएफ ने कहा है कि वित्तपोषण के निम्नलिखित साधन प्रासंगिक बने हुए हैं क्योंकि ऋण चुनौतियां बढ़ रही हैं और कार्रवाई की आवश्यकता बनी हुई है। डीएसएसआई और सीसीआरटी 2021 के अंत में समाप्त हो गए हैं, और जी20 को अभी भी उनकी निरंतरता पर आम सहमति से पहुंचना है।

• डीएसएसआई और कॉमन फ्रेमवर्क ऋण राहत के लिए महत्वपूर्ण उपकरण हैं, और उन्हें चालू रखने के लिए प्रयास किए जाने चाहिए।

• कोष उगाहने के लिए एक समन्वय दृष्टिकोण के माध्यम से ऋण सेवा राहत के लिए केटोस्ट्रोपे कंटेनमेंट रिलीफ़ ट्रस्ट ग्रांट को मजबूत किया जाएगा। हालांकि, 5वीं किश्त के प्रतिबंध के बाद ट्रस्ट के पास अपर्याप्त संसाधन हैं और क्रेडिटर्स समयसीमा बढ़ाने के लिए अनिच्छुक हैं।

• 1 मई, 2022 से परिचालन शुरू करने वाले रेजिलिएंस एंड सस्टेनेबिलिटी ट्रस्ट को डेब्ट स्ट्रैस के तहत मध्यम आय वाले देशों के लिए वित्तपोषण के एक महत्वपूर्ण स्रोत के रूप में जारी रखने की आवश्यकता है।

• गरीबी में कमी और विकास ट्रस्ट (पीआरजीटी) का फंड का मौजूदा साधन अत्यधिक ऋणग्रस्त गरीब देशों के संदर्भ में प्रासंगिक बना रहेगा।

• डब्ल्यूएचओ ने कहा है कि निम्नलिखित उपायों को अपनाने की आवश्यकता होगी:

• कोरोना वायरस लगातार नई लहरें देख रहा है और स्वास्थ्य उपकरणों के समान वितरण को सुनिश्चित करने के लिए एसीटी-एक्सेलरेटर को विश्व वित्त की आवश्यकता बनी रहेगी।

यह व्यापक रूप से महसूस किया जाता है कि ऐसे समय में जब बहुपक्षवाद संकट में है, भारत पर एक विभाजित बहुध्रुवीय दुनिया में स्थिरता लाने और चुनौतियों के लिए व्यापक वैश्विक प्रतिक्रियाओं

को तैयार करने की जिम्मेदारी होती है।

भारत के जी20 प्रेसीडेंसी पर प्रधान मंत्री मोदी: "जी20 दुनिया को यह दिखाने का एक अनूठा अवसर है कि भारत केवल दिल्ली तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसमें हर राज्य और केंद्र शासित प्रदेश शामिल हैं।"

• विश्व बैंक द्वारा आयोजित महामारी की रोकथाम और प्रतिक्रिया के लिए फाइनेंसियल इंटरमिडियरी फ़ंड वास्तव में समावेशी और सार्वभौमिक रूप से सुलभ होना चाहिए।

भारत के दृष्टिकोण से ध्यान इस पर होगा:

• आईएमएफ के साथ-साथ अन्य आईएफआई का भी कोटा और गवर्नेंस।

• जी20 एजेंडे में जलवायु वित्तपोषण, डिजिटल संपत्ति और पूंजी प्रवाह के मुद्दे शामिल होने की संभावना है।

• एक असाधारण रूप से चुनौतीपूर्ण मैक्रोइकनॉमिक वातावरण भी मौजूद है। लगभग 60 प्रतिशत कम आय वाले देश असहनीय ऋण के बोझ का सामना कर रहे हैं। इस बात की संभावना है कि जी20 एक साथ मिलकर कॉमन फ्रेमवर्क के लिए नए नियम और समयसीमा स्थापित करेगा।

• जी20 को जलवायु परिवर्तन के संकट से लड़ना जारी रखना चाहिए और अर्थव्यवस्था को कार्बन मुक्त करने के लिए स्पष्ट संकेत भेजना चाहिए।

• अंत में, जी20 को कमजोर लोगों के जीवन स्तर की रक्षा के लिए मुद्रास्फीति को सीमा में रखने के लिए अपनी शक्ति में सब कुछ करना चाहिए।

भारत की जी20 प्रेसीडेंसी पर प्रधान मंत्री मोदी को उद्धृत करते हुए मुझे समाप्त करने दें: "जी20 दुनिया को यह दिखाने का एक अनूठा अवसर है कि भारत केवल दिल्ली तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसमें हर राज्य और केंद्र शासित प्रदेश शामिल हैं।"

जी20@2023 इंडियन प्रेसीडेंसी के तहत 190 से अधिक बैठकों की योजना बनाई गई है। यह एक चुनौतीपूर्ण और रोमांचक नीतिगत प्रयास है।

जी20@2023 इंडियन प्रेसीडेंसी के तहत 190 से अधिक बैठकों की योजना बनाई गई है। यह एक चुनौतीपूर्ण और रोमांचक नीतिगत प्रयास है।

## संदर्भ


1. डिक्लेरेशन - वित्तीय बाजारों और विश्व अर्थव्यवस्था पर शिखर सम्मेलन, 15 नवंबर 2008, वाशिंगटन संयुक्त राज्य अमेरिका, www.g20.org

2. द ग्लोबल प्लान फॉर रिकवरी एंड रिफॉर्म, 2 अप्रैल 2009, लंदन, यूनाइटेड किंगडम, www. g 20.org

3. अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों के माध्यम से संसाधनों की आपूर्ति पर घोषणा, 24 अप्रैल 2009, लंदन, यूनाइटेड किंगडम, www. g20.org

4. वित्तीय प्रणाली को सुदृढ़ करने पर घोषणा, 2 अप्रैल 2009, लंदन यूनाइटेड किंगडम, www. g20.org

5. नेताओं के वक्तव्य - पिट्सबर्ग शिखर सम्मेलन, 24-25 सितंबर 2009, पिट्सबर्ग, संयुक्त राज्य अमेरिका, www. g20.org

6. जी20 टोरंटो शिखर सम्मेलन डिक्लेरेशन, 26-27 जून 2010, टोरंटो, कनाडा, www. g20.org

7. जी20 को आईएमएफ स्टाफ नोट, 26-27 जून 2010, टोरंटो समिट, कनाडा, www.imf.org

8. जी20 सियोल शिखर सम्मेलन लीडर्स डिक्लेरेशन, 11-12 नवंबर, 2010, सियोल, कोरिया, www.g20.org

9. सियोल शिखर सम्मेलन डॉक्यूमेंट, 11-12 नवंबर, 2010, सियोल, कोरिया, www.g20.org

10. साझा विकास के लिए साझा सहमति के लिए सियोल विकास सहमति, 11-12 नवंबर, 2010, सियोल, कोरिया, www.g20.org

11. जी20 म्यूचुअल असेसमेंट प्रोसेस (एमएपी) पर आईएमएफ रिपोर्ट, 11-12 नवंबर 2010, सियोल शिखर सम्मेलन, कोरिया, www.imf.org

12. अंतिम घोषणा, 2-4 नवंबर 2011, कान, फ्रांस, www.g20.org

13. जी20 नेताओं की कम्मुनिके, 2-4 नवंबर 2011, कान, फ्रांस, www.g20.org

14. विकास और नौकरियों के लिए कान एक्शन प्लान, 2-4 नवंबर 2011, कान फ्रांस, www.g20.org

15. आईएमएफ स्टाफ रिपोर्ट्स फॉर द जी-20 म्यूचुअल असेसमेंट प्रोसेस, 3-4 नवंबर, 2011, कान शिखर सम्मेलन, फ्रांस, www.imf.org

16. जी20 नेताओं की कम्मुनिके, 18-19 जून 2012, लॉस काबोस, मेक्सिको, www.g20.org

17. जी20 नेताओं की घोषणा, 18-19, 2012, लॉस काबोस, मेक्सिको, www.g20.org

18. जी20 नेताओं की घोषणा, 5-6 सितंबर 2013, सेंट पीटर्सबर्ग, रूस, www.g20.org

19. जी20 5वीं वर्षगांठ दृष्टि वक्तव्य, 5-6 सितंबर 2013, सेंट पीटर्सबर्ग, रूस, www.g20.org

20. शैडो बैंकिंग के सुदृढ़ निरीक्षण और विनियमन की ओर जी20 रोडमैप, 5-6 सितंबर 2013, सेंट पीटर्सबर्ग, रूस, www.g20.org

21. जी20 नेताओं के कम्मुनिके, 15-16 नवंबर 2014, ब्रिस्बेन, ऑस्ट्रेलिया, www.g20.org

22. जी20 नेताओं के कम्मुनिके, 15-16 नवंबर 2015, अनाताल्या, तुर्की, www.g20.org

23. जी20 नेताओं के कम्मुनिके, 4-5 सितंबर 2016, हांग्जो, चीन। www.g20.org

24. हांग्जो एक्शन प्लान, 4-5 सितंबर 2016, हांग्जो, चीन, www.g20.org

25. जी20 नेताओं की घोषणा, 7-8 जुलाई 2017, हैम्बर्ग, जर्मनी, www.g20.org

26. जी20 हैम्बर्ग एक्शन प्लान, 7-8 जुलाई 2017, हैम्बर्ग, जर्मनी, www.g20.org

27. जी20 ब्यूनस आयर्स एक्शन प्लान, 30 नवंबर - 1 दिसंबर 2018, अर्जेंटीना, www.g20.org

28. जी20 ओसाका एक्शन प्लान, 28 - 29 जून 2019, जापान, www.g20.org

29. अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष, जी-20 सर्विलांस नोट, जी-20 लीडर्स शिखर सम्मेलन, नवंबर, 2020, रियाद समिट, वर्चुअल मीटिंग, नवंबर 2020, www.imf.org

30. अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष, मजबूत, सतत, संतुलित और समावेशी विकास पर जी-20 रिपोर्ट, 2 नवंबर, 2020, www.imf.org

31. अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष, जी-20 सर्विलांस नोट, बीस वित्त मंत्रियों के समूह और केंद्रीय बैंक के गवर्नरों की बैठक, 18 जुलाई, 2020, वर्चुअल बैठक www.imf.org

32. अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष, जी-20 बैकग्राउंड नोट, जी-20 एक्शन प्लान का कार्यान्वयन, 16 जुलाई, 2020, www.imf.org

33. अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष, क्रिस्टालिना जॉर्जीवा द्वारा ब्लॉग, द नेक्स्ट फेज़ ऑफ़ द क्राइसिस: फ़ॉर एक्शन नीडेड फ़ॉर ए रेजिलिएंट रिकवरी, 16 जुलाई, 2020, www.imf.org

34. अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष, जी-20 बैकग्राउंड नोट, अवसरों तक पहुंच बढ़ाना, आईएमएफ और विश्व बैंक के कर्मचारियों द्वारा तैयार, 11 जून, 2020, www.imf.org

35. अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष, क्रिस्टालिना जॉर्जीवा द्वारा ब्लॉग, द ग्लोबल इकोनॉमिक रिसेट - प्रमोटिंग ए मोर इनक्लूसिव रिकवरी, 11 जून, 2020, www.imf.org

36. अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष, जी-20 सर्विलांस नोट, बीस वित्त मंत्रियों के समूह और केंद्रीय बैंक गवर्नरों की बैठकें, 15 अप्रैल, 2020, वर्चुअल बैठक, 15 अप्रैल, 2020, www.imf.org

37. अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष, जी-20 सर्विलांस नोट, बीस वित्त मंत्रियों के समूह और केंद्रीय बैंक के गवर्नरों की बैठक, 22-23 फरवरी, 2020, रियाद, सऊदी अरब, 19 फरवरी, 2020, www.imf.org

38. अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष, क्रिस्टालिना जॉर्जीवा द्वारा ब्लॉग, फ़ाइंडिंग ए सॉलिड फूटिंग फॉर द ग्लोबल इकॉनमी, 19 फरवरी, 2020, www.imf.org

39. अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष, जी20 अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संरचना कार्य समूह (आईएफएडब्लूजी) - उभरती अर्थव्यवस्थाओं में स्थानीय मुद्रा बॉन्ड बाजारों पर हालिया विकास, आईएमएफ और विश्व बैंक समूह के लिए स्टाफ नोट, 28 जनवरी, 2020, www.imf.org

40. द हिंदू, "एक स्वागत योग्य निर्णय - निर्यात को बनाए रखने और घरेलू मांग को पूरा करने के लिए वैक्सीन उत्पादन में तेजी आनी चाहिए", 22 सितंबर, 2021 का संपादकीय, www.thehindu.com

41. विश्व स्वास्थ्य संगठन, COVAX, www.who.int/initiatives/act-accelerator/covax

42. जी20 रोम में नेताओं की घोषणा, 31 अक्टूबर, 2021, www.g20.org

43. प्रधान मंत्री द्राघी का उद्घाटन भाषण, रोम 30 अक्टूबर, 2021, www.g20.org

44. कम्मुनिके, संयुक्त जी20 वित्त और स्वास्थ्य मंत्रियों की बैठक, 29 अक्टूबर, 2021, www.g20.org

45. कम्मुनिके, चौथा जी20 वित्त मंत्रियों और सेंट्रल बैंक गवर्नरस, वाशिंगटन डीसी, 13 अक्टूबर, 2021, www.g20.org

46. पीआईबी दिल्ली, प्रधानमंत्री ने रोम में जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान इटली के प्रधानमंत्री मारियो द्राघी से मुलाकात की, 29 अक्टूबर, 2021, www.pib.gov.in

47. शिन्हुआ, जी20 रोम शिखर सम्मेलन कई वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने की प्रतिबद्धता के साथ समाप्त हुआ, 1 नवंबर, 2021 www.xinhua.net.com

48. न्यूयॉर्क टाइम्स, बिडेन ने शिखर सम्मेलन समाप्त होने पर जी20 चर्चा की प्रशंसा की, 31 अक्टूबर, 2021, www.nytimes.com

49. मनीष चंद, जी20 में भारत: एक अच्छा संतुलन, दिनांक 13 नवंबर, 2021, www.mea.gov.in

50. श्री सुरेश प्रभु, जी-20 के लिए प्रधानमंत्री के शेरपा और ब्रिसबेन में जी-20 शिखर सम्मेलन के आधिकारिक प्रवक्ता द्वारा मीडिया ब्रीफिंग का प्रतिलेख, 16 नवंबर, 2014, www.mea.gov.in

51. ब्रिस्बेन, ऑस्ट्रेलिया में ब्रिक्स नेताओं की बैठक में प्रधानमंत्री द्वारा उद्घाटन वक्तव्य, 15 नवंबर, 2021, www.mea.gov.in

52. व्यापार और ऊर्जा पर जी20 वर्किंग लंच में प्रधान मंत्री द्वारा इंटरवेंशन, अनाताल्या।, 16 नवंबर, 2015, www.mea.gov.in

53. अनाताल्या में रिसीलेंस बढ़ाने पर जी20 सत्र-II में प्रधानमंत्री का इंटरवेंशन, 16 नवंबर, 2021, www.mea.gov.in

54. समावेशी विकास और वैश्विक अर्थव्यवस्था, विकास की रणनीति, रोजगार और निवेश की रणनीति पर जी20 सत्र में प्रधानमंत्री का इंटरवेंशन, 15 नवंबर, 2021, www.mea.gov.in

55. ग्लोबल चैलेंजेज-टेररिज्म एंड रिफ्यूजी क्राइसिस पर जी20 वर्किंग डिनर में प्रधानमंत्री का इंटरवेंशन, अनाताल्या, 15 नवंबर, 2021, www.mea.gov.in

56. विकास और जलवायु परिवर्तन पर जी20 वर्किंग लंच में प्रधान मंत्री द्वारा लीड इंटरवेंशन, अनाताल्या, 15 नवंबर, 2021, www.mea.gov.in

57. ब्रिक्स नेताओं की बैठक में प्रधानमंत्री द्वारा शुरूवाती टिप्पणियां, 15 नवंबर, 2021, www.mea.gov.in

58. प्रधान मंत्री की चीन यात्रा पर हांग्जो में आधिकारिक प्रवक्ता द्वारा मीडिया वार्ता का प्रतिलेख, 4 सितंबर, 2016, www.mea.gov.in

59. हैम्बर्ग में जी20 शिखर सम्मेलन, 2017 में प्रधानमंत्री और कोरिया गणराज्य के राष्ट्रपति, इटली के प्रधान मंत्री और नॉर्वे के प्रधान मंत्री के बीच बैठक, 8 जुलाई, 2018, www.mea.gov.in

60. इंडोनेशिया की जी20 प्रेसीडेंसी, जी20 इंडोनेशिया 2022।, www.g20.org

लेखक के बारे में

**वी श्रीनिवास, आईएएस**

श्री वी. श्रीनिवास भारत सरकार के सचिव, प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग तथा पेंशन एवं पेंशनभोगी कल्याण विभाग के साथ महानिदेशक, राष्ट्रीय सुशासन केंद्र के अतिरिक्त प्रभार के रूप में कार्यरत हैं। वह अंतर्राष्ट्रीय प्रशासनिक विज्ञान संस्थान, ब्रुसेल्स के प्रशासन परिषद में भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं।

वी. श्रीनिवास के पास उस्मानिया विश्वविद्यालय के कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी से केमिकल इंजीनियरिंग में मास्टर डिग्री है। उन्होंने विशेष सचिव और अतिरिक्त सचिव डीएआरपीजी, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, संस्कृति और वस्त्र मंत्रालय में संयुक्त सचिव और पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में उप सचिव के रूप में कार्य किया है। इसके अलावा, उन्होंने 2003-2006 तक अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष, वाशिंगटन डीसी में वित्त मंत्री के निजी सचिव और विदेश मंत्री के निजी सचिव और कार्यकारी निदेशक (भारत) के सलाहकार के रूप में कार्य किया। राज्य सरकार में, उन्होंने राजस्व बोर्ड राजस्थान, अजमेर के अध्यक्ष के रूप में राजस्थान कर बोर्ड के अध्यक्ष के अतिरिक्त प्रभार और योजना, वित्त, स्वास्थ्य और विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभागों में राजस्थान सरकार के सचिव के रूप में कार्य किया है। उन्होंने 2010-2013 तक

अंतर्राष्ट्रीय कपास सलाहकार समिति में भारत का प्रतिनिधित्व किया है। उन्होंने 2 पुस्तकें लिखी हैं - "इंडिया'स रिलेशन विद इंटरनेशनल मोनेटरी फ़ंड 1991-2016: 25 ईयर्स इन प्रेसपेक्टिव" और "टूवर्ड्स ए न्यू इंडिया:गवर्नेंस ट्रान्स्फ़ोर्म्ड 2014-2019", सार्वजनिक वित्त और सार्वजनिक प्रशासन पर 187 पत्र/लेख और 91 व्याख्यान दिए। वह अपनी तीसरी पुस्तक "जी20@2023 - द इंडियन प्रेसिडेंसी" लिख रहे हैं। वह एक वरिष्ठ प्रशासक, एक सम्मानित शिक्षाविद और एक उत्कृष्ट संस्थान निर्माता हैं।

**भारतीय वैश्विक परिषद (आईसीडब्ल्यूए)**

की स्थापना 1943 में सर तेज बहादुर सप्रू और डॉ एच. एन. कुंजरू के नेतृत्व में प्रतिष्ठित बुद्धिजीवियों के एक समूह द्वारा की गई थी। इसका मुख्य उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय संबंधों पर एक भारतीय परिप्रेक्ष्य बनाना और विदेश नीति के मुद्दों पर ज्ञान और सोच के भंडार के रूप में कार्य करना था। परिषद आज इन-हाउस फैकल्टी के साथ-साथ बाहरी विशेषज्ञों के माध्यम से नीति अनुसंधान आयोजित करती है। यह नियमित रूप से सम्मेलनों, संगोष्ठियों, गोलमेज चर्चाओं, व्याख्यानों सहित बौद्धिक गतिविधियों का आयोजन करता है और प्रकाशनों की एक श्रृंखला निकालता है। इसके पास एक अच्छी तरह से भंडारित पुस्तकालय है, एक सक्रिय वेबसाइट है और भारत त्रैमासिक पत्रिका प्रकाशित करती है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों पर बेहतर समझ को बढ़ावा देने और आपसी सहयोग के क्षेत्रों को विकसित करने के लिए आईसीडब्ल्यूए ने अंतर्राष्ट्रीय थिंक टैंको और अनुसंधान संस्थानों के साथ 50 से अधिक समझौते ज्ञापित किए हैं। परिषद भारत में प्रमुख अनुसंधान संस्थानों, थिंक टैंकों और विश्वविद्यालयों के साथ भी भागीदारी करता है।

**भारतीय वैश्विक परिषद्**

सप्रू हाउस, नई दिल्ली